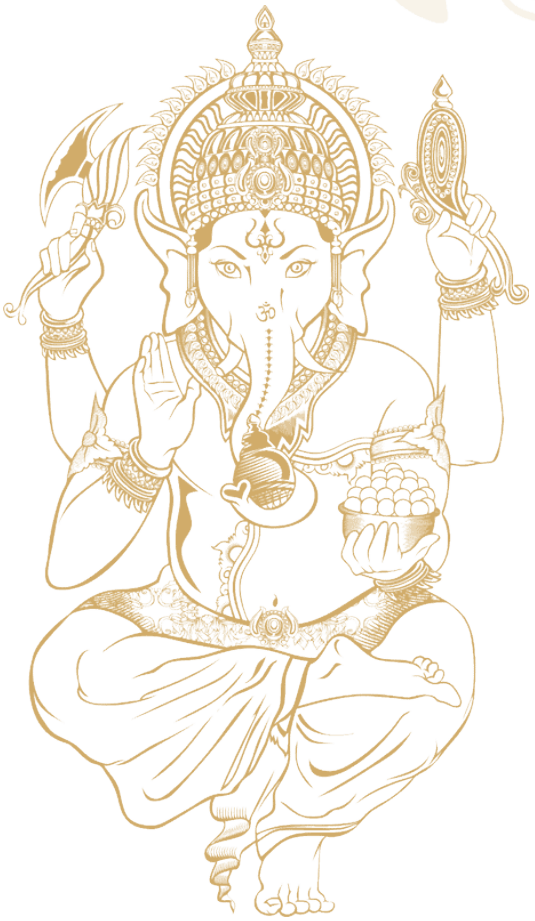

S

11 Oct 1989

03:30 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120932704

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**10-11/10/1989**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**03:30:00 घंटे**
इष्ट	52:57:23 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:08:52 घंटे
वेलान्तर	00:12:57 घंटे
साम्पातिक काल	04:26:47 घंटे
सूर्योदय	06:19:02 घंटे
सूर्यास्त	17:56:59 घंटे
दिनमान	11:37:56 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	23:51:28 कन्या
लग्न के अंश	15:49:03 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	शूल
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	गी-गीता
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	15:49:03	315:04:26	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	---
सूर्य			कन्या	23:51:28	00:59:19	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	सम राशि
चंद्र			मक	29:26:54	13:59:42	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	सम राशि
मंगल		अ	कन्या	20:09:57	00:39:23	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	केतु	शत्रु राशि
बुध			कन्या	05:55:09	01:02:56	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	उच्च राशि
गुरु			मिथु	16:37:22	00:03:30	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	08:48:20	01:07:06	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	सम राशि
शनि			धनु	14:17:41	00:02:50	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
राहु			कुंभ	00:45:38	00:00:08	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	मित्र राशि
केतु			सिंह	00:45:38	00:00:08	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	शत्रु राशि
हर्ष			धनु	08:01:24	00:01:33	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
नेप			धनु	15:59:52	00:00:39	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	---
प्लूटो			तुला	20:18:30	00:02:13	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	---
दशम भाव			वृष	14:43:15	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:43:01

लग्न-चलित

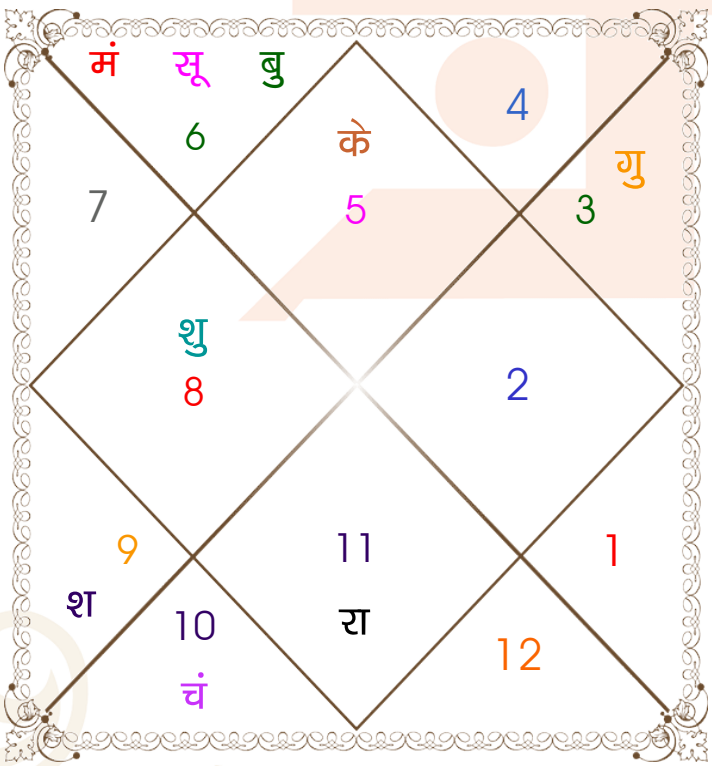

चन्द्र कुंडली

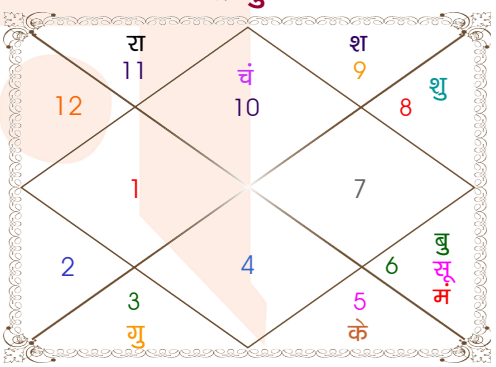

नवमांश कुंडली

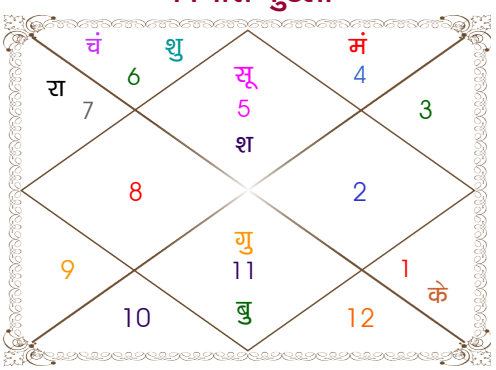

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 3 वर्ष 9 मास 14 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
11/10/1989		26/07/1993		26/07/2011		26/07/2027		26/07/2046	
26/07/1993		26/07/2011		26/07/2027		26/07/2046		26/07/2063	
	00/00/0000	राहु	07/04/1996	गुरु	12/09/2013	शनि	29/07/2030	बुध	22/12/2048
	00/00/0000	गुरु	01/09/1998	शनि	26/03/2016	बुध	07/04/2033	केतु	19/12/2049
	11/10/1989	शनि	08/07/2001	बुध	02/07/2018	केतु	17/05/2034	शुक्र	19/10/2052
शनि	24/01/1990	बुध	25/01/2004	केतु	08/06/2019	शुक्र	17/07/2037	सूर्य	25/08/2053
बुध	22/01/1991	केतु	11/02/2005	शुक्र	06/02/2022	सूर्य	29/06/2038	चंद्र	25/01/2055
केतु	20/06/1991	शुक्र	12/02/2008	सूर्य	25/11/2022	चंद्र	28/01/2040	मंगल	22/01/2056
शुक्र	19/08/1992	सूर्य	06/01/2009	चंद्र	26/03/2024	मंगल	08/03/2041	राहु	10/08/2058
सूर्य	25/12/1992	चंद्र	08/07/2010	मंगल	02/03/2025	राहु	13/01/2044	गुरु	15/11/2060
चंद्र	26/07/1993	मंगल	26/07/2011	राहु	26/07/2027	गुरु	26/07/2046	शनि	26/07/2063

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
26/07/2063		26/07/2070		26/07/2090		26/07/2096		27/07/2106	
26/07/2070		26/07/2090		26/07/2096		27/07/2106		00/00/0000	
केतु	22/12/2063	शुक्र	25/11/2073	सूर्य	13/11/2090	चंद्र	26/05/2097	मंगल	23/12/2106
शुक्र	21/02/2065	सूर्य	25/11/2074	चंद्र	14/05/2091	मंगल	25/12/2097	राहु	11/01/2108
सूर्य	28/06/2065	चंद्र	26/07/2076	मंगल	19/09/2091	राहु	26/06/2099	गुरु	17/12/2108
चंद्र	27/01/2066	मंगल	25/09/2077	राहु	13/08/2092	गुरु	26/10/2100	शनि	12/10/2109
मंगल	26/06/2066	राहु	24/09/2080	गुरु	01/06/2093	शनि	27/05/2102		00/00/0000
राहु	14/07/2067	गुरु	26/05/2083	शनि	14/05/2094	बुध	27/10/2103		00/00/0000
गुरु	19/06/2068	शनि	26/07/2086	बुध	20/03/2095	केतु	27/05/2104		00/00/0000
शनि	29/07/2069	बुध	26/05/2089	केतु	26/07/2095	शुक्र	25/01/2106		00/00/0000
बुध	26/07/2070	केतु	26/07/2090	शुक्र	26/07/2096	सूर्य	27/07/2106		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 3 वर्ष 9 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। सिंह लग्नोदय काल ही सिंह राशि का नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। आपका जन्म प्रभाव यह प्रमाणित कर रहा है कि आपका जीवन सर्वोत्तम प्रकार से व्यतीत होगा। ऐसा तो आपके जीवन का 28 वें वर्ष से आपका समय अच्छे होने लग जाएंगे। आयु के 28 वें वर्ष से 32 वें वर्ष की आयु तक का समय बहुत ही उत्तम एवं अनुकूल होगा।

आपके जीवन का बृहत्तर भाग मखमली अर्थात् ''पांचों उंगुली घी में'' जैसा लाभजनक रहेगा। इस समय आपके जीवन के सभी आवश्यक पक्ष संतोषजनक रहेंगे। आपके लिए सौभाग्य प्रदान करने वाला ऐसा समय हस्तगत होगा कि आप मिट्टी छूओ तो सोना बन जाएगा और आप जिस कार्य को हस्तगत कर लोगी उसी में सफल हो जाओगी।

आप इस बात को अच्छी प्रकार जानती हैं कि लोगों के साथ धन संपत्ति का लेन-देन अर्थात् आदान प्रदान कैसे करेंगी। आपमें यह सामार्थ्य निहित है कि लोगों को अपने पक्ष में लेकर, दूसरों पर किस प्रकार प्रशासन करेंगी। आप किस प्रकार लोगों से सहयोग प्राप्त कर प्रचूर मात्रा में लाभान्वित होंगी तथा आपका कार्य व्यवधान रहित होकर प्रगति करेगा। जब आप किसी को वस्तु उधार दे देती हैं और कोइ समस्या उत्पन्न हो जाती है। आप धैर्यपूर्वक संपर्क स्थापित कर समस्या का समाधान कर उस धन या वस्तु को प्राप्त कर लेती हैं।

आप में एक अन्य प्रकार की भव्य क्षमता विद्यमान हैं। वह यह है कि आप यह जानती हैं कि आप अपने से उच्च अधिकारी को किस प्रकार प्रभावित करेंगी तथा सर्वोच्च अधिकारी से संपर्क अर्थात् सानिध्यता प्राप्त कर लेती हैं। परिणाम स्वरूप आप लाभप्रद, अधिकारपूर्ण पद प्रतिष्ठा प्राप्त कर लेंगी। यथा कंपनी का प्रबंधक, अथवा किसी भी निगम और परिषद का निर्देशक पद आदि। आप निश्चित समय पर ऐसी युक्ति पूर्ण चाल को अच्छी प्रकार अपने अधिकारी के पास प्रस्तुत कर देंगी। ताकि आप की चाल सफल हो जाती है। आप में एक अच्छे नेता के गुण विद्यमान है।

आप अनेक कलाओं की ज्ञाता एवं सक्षम हैं। आप किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेने में तथा किसी भी विरोधात्मक परिस्थिति को पार कर लेने में सक्षम है तथा विरोधियों को परास्त कर सकती हैं। आप अपने किसी भी शत्रुओं के साथ संघर्ष करके विजय श्री प्राप्त करेंगे।

आपकी प्रभावशाली उपस्थिति हाव-भाव तथा आकर्षण विपरीत योनि के प्राणी के साथ रहेगा। जिस प्रकार चुंबक अपने आकर्षण शक्ति का प्रभाव लौह पर दिखाता है। उसी प्रकार आपके आकर्षण से पुरुष वशीभूत हो जाया करेंगे। आपकी इस प्रकार की प्रवृति से आपका समय आनंददायक प्रतीत होता है। परंतु इस प्रकार की प्रवृत्ति तथा कार्य कलाप से आपका पारिवारिक जीवन बाधित हो सकता है। आपके पास पति बच्चे एवं आनंददायक भवन का सुख उपलब्ध हो सकता है। अस्तु निरंतर इस पथ पर नहीं चलें। आपके साथ ऐसी समस्या जुडी है कि आप पूर्णरूपेण विश्राम नहीं कर पाती । उत्तम स्वास्थ्य के लिए आपको सतर्क रहना चाहिए।

आप सदैव अनेक प्रकार के कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के लिए एक साथ प्रस्थान करती हैं। आपके द्वारा घोर परिश्रम किए जाने से स्नायुविक शक्तियां बुरी तरह पूर्ण रूपेण प्रभावित हो रही हैं। इस प्रकार कुछ समय वर्षों के पश्चात् आपको ह्रदय से संबंधित समस्याएं, गांठ-गांठ में तथा रीढ़ की हड्डियों में दर्द, रक्तचाप रोगादि से कष्ट समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु विश्राम भी ग्रहण किया करें।

आप सदैव अपनी एवं अपने परिवार की प्रतिष्ठा के प्रति सतर्क रहती हैं। चाहे कुछ भी हो जाए आप इस बात के लिए किसी भी परिस्थिति में कोई भी समझौता करने को तैयार नहीं हो सकती हैं।

आपके लिए उपयुक्त कार्यव्यवसायों में राजकीय केंद्रीय सरकार की सेवा के अतिरिक्त ट्रांसपोर्ट व्यवसाय, होटल उद्योग अथवा फोटोग्राफी व्यवसाय आदि अनुकूल है।

आपके लिए नारंगी रंग, लाल एवं हरा रंग अनुकूल है। परंतु नीला, सफेद एवं काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक भाग्यशाली अंक है, परंतु आपके लिए अंक 2, 7 एवं 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।